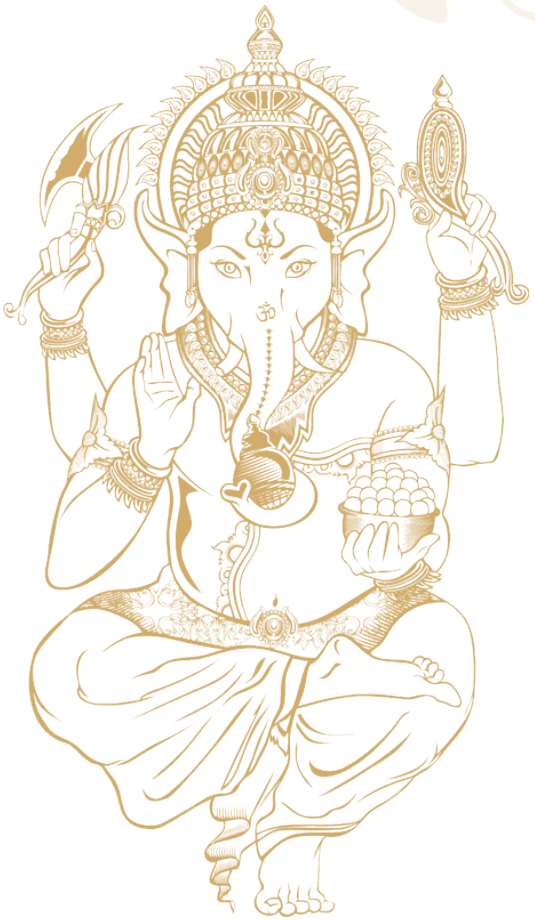

Parshant Divya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121342004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/11/2005	जन्म तिथि	26/11/2003
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:05:00	जन्म समय	11:00:00 घंटे
घटी 58:17:53	जन्म समय(घटी)	10:21:56 घटी
India	देश	India
Hardwar	स्थान	Yamunanagar
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:50	सूर्योदय	06:54:55
17:19:20	सूर्यास्त	17:20:56
23:56:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 8मा 21दि	24:14:41	तुला	लग्न	मक	06:09:57	केतु 0वर्ष 10मा 13दि
शनि	03:50:46	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	09:37:22	सूर्य
11/08/2020	21:03:44	मिथु	चंद्र	धनु	11:40:24	09/10/2024
12/08/2039	17:02:41	मेष व	मंगल	कुंभ	24:53:13	10/10/2030
शनि 15/08/2023	14:13:36	वृश्चि व	बुध	वृश्चि	26:50:46	सूर्य 27/01/2025
बुध 24/04/2026	11:24:47	तुला	गुरु	सिंह	22:42:15	चन्द्र 28/07/2025
केतु 03/06/2027	19:43:57	धनु	शुक्र	धनु	05:04:38	मंगल 03/12/2025
शुक्र 03/08/2030	17:22:05	कर्क	शनि व	मिथु	18:27:05	राहु 28/10/2026
सूर्य 16/07/2031	18:39:35	मीन व	राहु व	मेष	26:32:18	गुरु 16/08/2027
चन्द्र 13/02/2033	18:39:35	कन्या व	केतु व	तुला	26:32:18	शनि 28/07/2028
मंगल 25/03/2034	12:54:42	कुंभ	हर्ष	कुंभ	05:07:16	बुध 04/06/2029
राहु 29/01/2037	21:02:36	मक	नेप	मक	16:49:12	केतु 10/10/2029
गुरु 12/08/2039	29:24:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:14:48	शुक्र 10/10/2030

लग्न-चलित

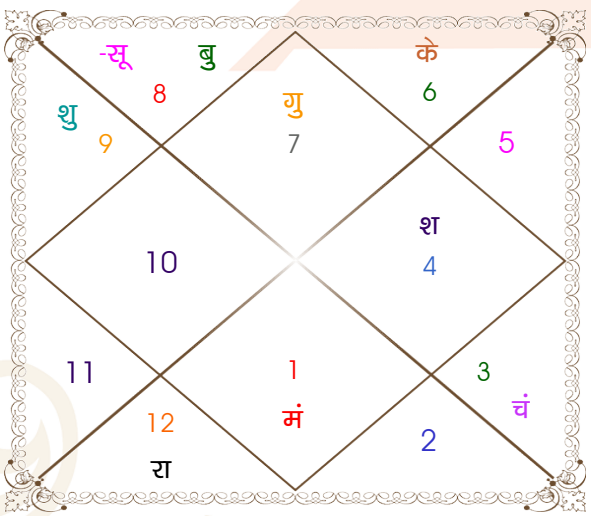

लग्न-चलित

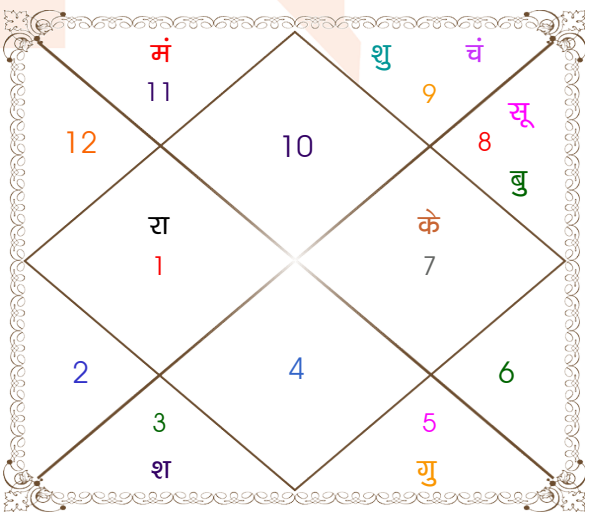

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

च्तींदज का वर्ग मार्जार है तथा क्पअलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तींदज और क्पअलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तींदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल च्तींदज कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तींदज कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि च्र्तींदज कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्पअलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्पअलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्र्तींदज तथा क्पअलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।